Raga of the Month April 2022 Raga Shankarabihag/ Shankarabaran

राग शंकराबिहाग / शंकराबरन

कल्याण, भैरव, सारंग, मल्हार, कानडा, तोड़ी, बहार आदि रागोंके मिश्रणसे बने रागों से हम परिचित हैं। मगर उसी तरह राग शंकरा का मूल स्वरूप रखते हुए उससे बने हुए अनेक जोड़ राग हैं। मगर राग शंकराके ये अलग जोड़ राग-प्रकार मैफिलोंमे क्वचितहि गाये जाते हैं। अगले कुछ भागोंमें हम शंकरा के ऐसे जोड़-राग सुनेंगे। आज हम राग शंकराबिहाग सुनेंगे, जो शंकराबरन इस नामसे भी जाना जाता है। (कर्नाटक संगीतके शंकराभरण रागसे यह राग भिन्न है; वह राग हिंदुस्तानी संगीतमे बिलावल नामसे परिचित है।)

यह राग ग्वालियर घराने के गायकों में अधिकतर गाया जाता था। शंकरा और बिहाग रागों में समानता होने के कारण उनका मिश्रण करके अलग राग का निर्माण करना यह बहुत कठिन काम है। यह राग बीसवीं शताब्दीके पूर्वार्धमे सुनने में आता था। एकही राग तीन गायकोंने अपने गायन शैलीके अनुसार कैसा प्रस्तुत किया है यह हम आजके ऑडिओमे सुन सकते हैं।

राग शंकराके अनेक जोड़ रागोंका निर्माण बुजुर्ग गायकोंने किया है- वे हैं :

शंकराकरण- ग्वालियर घराना परंपरा - शंकरा और कल्याणका जोड़ ;

शंकराहरण- ग्वालियर घराना परंपरा - शंकरा और हमीरका जोड़;

गौरीशंकर - (आचार्य श्री ना रातंजनकर निर्मित - शंकरा और गौरीका जोड़;

शिवतिलक - (पंडित गोविन्द नारायण नातू निर्मित)- शंकरा और तिलककामोदका जोड़;

शंकरानन्द- (पंडित छोटा गन्धर्व निर्मित)- शंकरा और नन्दका जोड़;

बसंतीशंकरा - (पंडित छोटा गन्धर्व निर्मित)- शंकरा और बसंतका जोड़;, इत्यादि।

राग शंकराबिहाग / शंकराबरन में आज के ऑडियो में हम ग्वालियर घराने के ही तीन बुज़ुर्गोंके गायन का अंश सुनेंगे। पहले पंडित शरद साठे, बादमे पंडित बालासाहेब पूछवाले और अन्तमे पंडित कृष्णराव शंकर पंडित इनका गायन सुनेंगे।

आभार-पंडित यशवंत महाले; (ऑडियो) श्री किशोर मर्चंट.

०१-०४ -२०२२

Link to the list of 120+ Raga of the month articles

@ Archive of ROTM Articles - http://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx